दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Module – 1)

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/19 (N-M)–M–**GS11**	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: SUNIL **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): HINDI **Reg. Number:** AWAKE-19 B013

Center & Date: DELHI 16/08/19 **UPSC Roll No. (If allotted):** 7105724

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए (*To be filled by Evaluator only*)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

1. भारत में आतंकी वित्तपोषण तथा धनशोधन का सामना करने में वित्तीय कार्रवाई कार्य-बल (एफ.ए.टी.एफ.) की भूमिका पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the role of Financial Action Task Force (FATF) in combating terror financing and money laundering in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

FATF : 1989 में G7 देशों की पहल पर गठित अंतर्राष्ट्रीय संगठन।

- मुख्यालय = पेरिस।
- OECD के अधिकांश राष्ट्र इसमें शामिल।
- कार्य : आतंकी वित्तपोषण व धनशोधन रोकथाम हेतु अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली को बढ़ावा देना, एकीकृत स्तर प्रदान करना।

भारत में इसकी भूमिका -

(i) FATF द्वारा जारी Global Money Laundering Report के आँकड़ों से वस्तुस्थिति का पता लगाना व आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्राप्त होना।

(ii) भारतीय एजेंसियों - NCB, DRI, FIU-IND, NIA आदि के साथ मिलकर कार्य करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

iiii) समय-२ पर जारी ग्रे सूची व ब्लैक सूची द्वारा राष्ट्रों पर दबाव बनाना
जैसे वर्तमान में पाकिस्तान को ग्रे सूची में रखा गया है। अतः पाकिस्तान आतंकी वित्तपोषण को कम करने हेतु बाध्य हुआ है।

सीमाएँ_

i) पश्चिमी राष्ट्रों का दबाव राष्ट्रीय हितों के अनुरूप आतंकी घटनाओं की व्याख्या।

iii) कार्यवाही में भेदभाव के आरोप।

सीमाओं के बावजूद हालिया TRIC हमले के पश्चात FATF की कार्यवाही भारत के आतंक विरोधी कदमों को मजबूती प्रदान करती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2. भारत में सार्वभौमिक बुनियादी आय (यू.बी.आई.) व्यवहार्य है क्योंकि इसे अपेक्षाकृत निम्न आय स्तर पर नियत करने पर भी व्यापक स्तर पर लाभ संभव है। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

In India, Universal Basic Income (UBI) is feasible because it can be pegged at relatively low levels of income but still yield immense welfare gains. Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

UBI: देश के प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के मासिक / आवधिक एक नियत राशि का हस्तांतरण करना।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कुछ यूरोपीय देशों - फिनलैण्ड आदि में प्रायोगिक तौर पर लागू। भारत में भी सिक्किम द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत में UBI की व्यवहार्यता -

(i) विभिन्न अन्य योजनाओं की जगह एक ही योजना।

(ii) नियत राशि का हस्तांतरण → क्षमता निर्माण में खर्च। जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास।

(iii) बेरोजगारी के विरुद्ध एक बीमे के रूप में कार्य।

(iv) लागू करने हेतु बैंकिंग सेक्टर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

की मजबूत बनाया जाएगा → तकनीकी विकास होगा।

(v) वित्तीय समावेशन में वृद्धि।

(vi) leakage व लाभार्थी पहचान की समस्या दूर होगी।

(vii) सभी वर्गों को लाभ → सामाजिक समावेशन बढ़ेगा।

सीमाएं -

(i) आवश्यक नहीं कि शिक्षा, स्वास्थ्य पर ही खर्च हो।

(ii) एक बार शुरू करने के बाद बंद करना मुश्किल।

(iii) अत्यधिक वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता, जनसंख्या अधिक।

आगे की राह -

(i) Quasi universalities लागू करना।

(ii) वर्तमान योजनाओं का बेहतर क्रियान्वन सुनिश्चित करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. प्रभावी सीमा प्रबंधन में प्रौद्योगिकी किस प्रकार भूमिका निभा सकती है, स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain how technology can play a role in effective border management. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सीमा प्रबंधन = राष्ट्र की सीमाओं की सुरक्षा, इस क्षेत्र में विकास, घुसपैठ रोकथाम आदि गतिविधियों को संचालन करना।

प्रभावी सीमा प्रबंधन में प्रौद्योगिकी की भूमिका -

(i) CIBMS रणनीति में आधुनिक कैमरे, भूमिगत सेंसर, ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क, आधुनिक हथियार का प्रयोग → दुर्गम क्षेत्र में भी निगरानी व प्रत्युत्तर संभव।

(ii) BOLD - QIT परियोजना (भारत-बांग्लादेश सीमा) में भी उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रयोग → सीमा पार आवागमन पर बेहतर निगरानी संभव। हथियार, मादक पदार्थ तस्करी रोकथाम में मदद।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

iii) Emisat (हाल ही में ISRO द्वारा launch) द्वारा सीमा पर दुश्मन रडार आदि पहचान पहचानने में मदद → तुरंत प्रतिक्रिया संभव, संभावित क्षति को कम किया जा सकेगा। सियाचीन जैसे स्थानों पर सैनिकों की संख्या को कम किया जा सकेगा।

iv) NC3I प्रणाली द्वारा तटीय सीमा व्यवस्था को उन्नत बनाए जाने से न केवल आतंकी घुसपैठ अवैध व्यापार रोकथाम में मदद, बल्कि मानवीय भूलचूक में भी सुधार।

सारांशतः, प्रौद्योगिकी विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावी सीमा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए भारत के स्वास्थ्य मानकों में परिवर्तन की इसकी क्षमता पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Highlighting the objectives of the National Biopharma Mission, discuss its potential in transforming the health standards of India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रीय बायो फार्मा मिशन: Innovate In India (i3) रणनीति के तहत भारत में बायो फार्मा क्षेत्र को मजबूत बनाने हेतु शुरु पहल।

उद्देश्य - (i) इस क्षेत्र में IPRs संरक्षण।
(ii) R&D को प्रोत्साहन।
(iii) शिक्षा - उद्योग interface बढ़ाना। जैसे BIRAC। ताकि व्यावहारिकता, अनुप्रयोग को बढ़ाया जा सके।
(iv) पूंजी निवेश बढ़ाना।
(v) स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन।
(vi) जेनेरिक दवाओं आदि के निर्यात को बढ़ावा देना।

i3 द्वारा भारत के स्वास्थ्य मानकों में परिवर्तन की क्षमता -
(i) नवीन व सर्वसुलभ तकनीकी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के प्रयोग को बढ़ावा → नवाचारों को प्रोत्साहन मिलेगा।

(ii) National Health Stack आदि पहलों को बढ़ावा मिलेगा → साक्ष्य आधारित नीति निर्माण व क्रियान्वन को गति मिलेगी

(iii) उपकरणों का मानकीकरण होगा → अमेरिकी medical instrument के साथ चल रहे मुद्दों का निपटान संभव हो सकेगा।

(iv) लोगों के स्वास्थ्य स्तर में सुधार।

इसी संदर्भ में सरकार द्वारा clinical trials, जीन एडीटिंग आदि क्षेत्रों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है तथा नियमों को उदार बनाया गया है।

क्रियात्मक तकनीक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) भूमिका परिवर्तन का कारण बनेगी, ज़रूरी नहीं कि रोजगार हानि का कारण बने। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Artificial Intelligence (AI) will cause role changes, not necessarily job losses. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

AI = मशीनों में मानव जैसी बुद्धिमत्ता (सूचना + तर्क क्षमता) विकसित करना, ताकि वे स्वयं से निर्णय ले सके।

- प्रारंभिक शब्द प्रयोग = जॉन मैकार्थी द्वारा 1955 में।
- भारत में CAIR (Centre for AI & Robotics) द्वारा इस क्षेत्र में शोध कार्य।
- इसे चतुर्थ औद्योगीकरण का आधार स्तंभ भी माना जा रहा है।

AI की भूमिका -

i) खतरनाक कार्यों में मानवीय भूमिका को कम करेगा जैसे गहन खनन।

ii) बेहतर डेटा संग्रहण, विश्लेषण → मानवीय श्रम की बचत संभव।

iii) AI के क्षेत्र में नए स्टार्टअप्स

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार ... हाशिये में ... चाहिये।
(Candidate ... write on th...

के उदय से रोजगार सृजन।

(iv) AI अनुरूप कौशल विकास की माँग से नए रोजगार उत्पन्न होंगे।

(v) युद्धों में मशीनों का अधिक प्रयोग → मानवीय ~~गरिमा~~ गरिमा उल्लंघन से बचाव संभव।

(vi) वर्तमान मानवीय भूमिका - मशीनों के संचालन की बजाय मशीनों से संवाद, समन्वय की नई भूमिका का सृजन।

सीमाएँ -

(i) अपर्याप्त तकनीकी विकास।

(ii) अकुशल काम हानि की संभावना।

(iii) कुछ राष्ट्रों द्वारा इनमें आगे निकल जाना → असंतुलन बढ़ेगा।

तथापि AI की उपयोगिता किन क्षेत्रों में कैसे प्रयुक्त करने तथा किस गहनता से प्रयुक्त करने की मानवीय समझ पर निर्भर करती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

6. भारत में मेथनॉल आधारित अर्थव्यवस्था के महत्त्व की विवेचना कीजिये। इसकी क्षमता के दोहन में शामिल चुनौतियाँ क्या हैं? (150 शब्द) 10

Discuss the significance of methanol based economy for India. What are the challenges involved in tapping its potential? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मेथेनॉल आधारित अर्थव्यवस्था =
अर्थव्यवस्था जिसमें ऊर्जा के एक प्रमुख स्रोत के रूप में मेथेनॉल (CH_3OH) का प्रयोग होता है स्वतंत्र अथवा मिश्रित स्वरूप में।
भारत में वर्तमान स्तर = पेट्रोल में 5% मिश्रण।
2030 तक लक्ष्य = पेट्रोल में 20% मिश्रण।

महत्त्व -
(i) सल्फर व नाइट्रोजन आधारित प्रदूषकों का शून्य उत्सर्जन → जलवायु परिवर्तन रोधी रणनीति में मदद।
(ii) जैव ईंधन - जैट्रोफा आदि के उत्पादन को प्रोत्साहन, किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्ति। बंजर भूमि का उपयोग भी संभव।
(iii) जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता में कमी से अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार ... हाशिये में ... चाहिये। (Candidate... write on th...

राजनीतिक स्वायत्तता में वृद्धि
(iv) जीवाश्म ईंधनों के आयात में कमी से (CAD) कम होगा.
(v) नए प्रकार के इंजन, वर्तमान में सुधार की आवश्यकता → तकनीकी विकास बढ़ेगा, स्टार्टअप्स बढ़ेंगे, रोजगार मिलेगा।
हालिया प्रयोग = देहरादून - दिल्ली वायुयान संचालन।

चुनौतियाँ -

(i) कार्बनिक पदार्थों को जैव ईंधन में बदलने हेतु उच्च तकनीकी का अभाव।
(ii) मेथेनॉल के अपेक्षाकृत गाढ़ा होने से इंजन में घर्षण वृद्धि से दक्षता का प्रभावित होना।
(iii) किसानों में जागरूकता का अभाव, पर्याप्त कीमत न मिल पाना।
(iv) कमजोर संस्थागत स्तर।

किए जा रहे प्रयास -

(i) राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति (2018)
(ii) इंजीनियर्ड जीवों के प्रयोग द्वारा कार्बनिक पदार्थ को मेथेनॉल आदि में बदला जाना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

7. भारत की शीतलन कार्य-योजना (आई.सी.ए.पी.) की शुरुआत भावी शीतलन आवश्यकताओं को संबोधित करने हेतु एक साहसिक प्रतिक्रिया क्यों है? स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain why the launch of the India Cooling Action Plan (ICAP) is a bold response to addressing India's future cooling needs? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ICAP = वैश्विक तापन के कारण बढ़ती कूलिंग आवश्यकताओं को Mitigate करने व पूर्ति करने हेतु शुरू कार्यक्रम।

लक्ष्य = (i) 2037-38 तक शीतलन आवश्यकता को 20-30% तक कम करना।

(ii) A.C., फ्रिज आदि की क्षमता व दक्षता में वृद्धि करना जैसे रेटिंग तंत्र को और अधिक सशक्त व वैज्ञानिक बनाना।

ICAP शीतलन आवश्यकता संबोधित करने हेतु साहसिक प्रतिक्रिया के रूप में -

(i) लक्ष्य निर्धारण व प्राप्ति हेतु रोडमैप निर्माण।

(ii) शीतलन हेतु अत्यधिक ऊर्जा की आवश्यकता होगी। यद्यपि वर्तमान में जीवाश्म ऊर्जा पर निर्भरता अधिक है, परंतु इससे नवीकरणीय

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ऊर्जा उत्पादन के भी गति मिलेगी।

(iii) बढ़ती जनसंख्या, IPCC की special AR-5 के आँकड़े गंभीर स्थिति दर्शा रहे हैं।

(iv) वर्तमान में मानकीकरण की कमी, पर्याप्त आधारभूत संरचना की कमी को ध्यान में रखते हुए भी भारत द्वारा वैश्विक स्तर पर मूल तरह का प्रथम प्रयास किया जा रहा है।

अन्य कदम-

(i) ECBC आदि उपायों का बेहतर क्रियान्वन, ताकि हरित भवनों का निर्माण संभव हो सके।

(ii) District cooling Plan (जैसे अमरावती, AP में प्रस्तावित) से समन्वय, ताकि संसाधनों का अधिकतम उपयोग संभव हो सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. आपदा जोखिम न्यूनीकरण सामाजिक व आर्थिक विकास का एक अभिन्न अंग है तथा यह दीर्घकालिक विकास हेतु आवश्यक है। हाल ही में भारत में आई प्राकृतिक आपदाओं को ध्यान में रखते हुए चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Disaster risk reduction is an integral part of social and economic development, and is essential if development is to be sustainable. Discuss in view of the recent natural disasters in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आपदा जोखिम न्यूनीकरण = आपदा संभावित क्षेत्र में आपदा आने से पूर्व क्षमता निर्माण, ताकि आपदा के जोखिम स्तर को न्यूनीकृत किया जा सके।

भूमिका -

i) आपदा जोखिम न्यूनीकरण से प्रवसन, भीड़ व दंगों, विस्थापन, शरणार्थी समस्या का समाधान संभव → सामाजिक ढाँचा मजबूत होगा।

ii) आधारभूत संरचनाओं को होने वाली हानि, फसल हानि, पशु मृत्यु परिवहन, ऊर्जा, संचार साधनों को हानि से होने वाले आर्थिक नुकसान को कम करना संभव।

iii) आपदा जोखिम न्यूनीकरण में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

निवेश (संरचनात्मक व गैर संरचनात्मक)
→ SDG 11 (समावेशी व सुरक्षित मानवीय आवास), 13 (जलवायु परिवर्तन नियंत्रण) आदि की प्राप्ति संभव।
(iv) हाल ही में फेनी चक्रवात (ओडिशा) के दौरान अपनाई गई आपदा जोखिम न्यूनीकरण रणनीतियों - तकनीकी, सामुदायिक सहयोग की UN में भी प्रशंसा की गई; तो चेन्नई में सूखे व केरल में बाढ़ ने पर्यावरण - विकास के बीच असंतुलन को उजागर भी किया।

वस्तुतः न्यूनीकरण proactive approach अपनाते हुए क्षति को कम कर सुभेद्यता से बचाव करता है, जो न केवल तात्कालिक, बल्कि दीर्घकालिक परिणाम भी उत्पन्न करता है।

प्रयास -
(i) NDMA, 2005
(ii) ~~सेंडाई फ्रेमवर्क~~ (2015-30)।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

9. हरित वित्तपोषित पारिस्थितिकी का विकास एवं अनुसरण भारत के हित में है। स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

It is in India's interest to develop and pursue a strong green financing ecosystem. Elucidate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हरित वित्तपोषित पारिस्थितिकी -

पर्यावरण अनुकूल परियोजनाओं में निवेश हेतु एक माहौल का निर्माण करना, ताकि न केवल निवेश को आकर्षित किया जा सके, बल्कि पर्यावरण - विकास संघर्ष को भी दूर किया जा सके।

महत्त्व -

(i) भारत द्वारा 2030 तक प्राप्त किए जाने वाले INDC (पेरिस समझौते के अनुरूप) में मदद।

(ii) 2022 तक 175 GW नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से विद्युत प्राप्ति में मदद।

(iii) प्रदूषकों के स्तर में कमी से स्वास्थ्य स्तर में सुधार, लोगों के जीवन स्तर में वृद्धि।

(iv) इस प्रकार के माहौल निर्माण से

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आपदा प्रबंधन कार्यों को गति मिलेगी।

(v) विभिन्न नवाचारों को प्रोत्साहन जैसे स्टार्टअप, कृषि में ZBNF रणनीति।

(vi) भारत द्वारा इस क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय नेतृत्वकारी भूमिका का निर्वहन।

किए गए प्रयास -

(i) हरित लेखांकन।

(ii) BSE-Greenex की शुरुआत।

(iii) पारिस्थितिकी तथा जैव विविधता का अर्थतंत्र जैसी पहलों द्वारा पारिस्थितिकी के मूल्य को अर्थव्यवस्था से जोड़ा जाना।

(iv) Green Bond, Blue Bond।

(v) NAFCC, GCF, GEF आदि पहलें।

सारांशतः हरित वित्तपोषित पारिस्थितिकी संधारणीय विकास को संभव बनाएगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. भारतीय अर्थव्यवस्था औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र से अधिक एक सुदृढ़ ग्रामीण एवं कृषि संवृद्धि पर निर्भर करती है। पुष्टि कीजिये। (150 शब्द) 10

Indian economy depends on a robust rural and agricultural growth more than industrial production and service sector. Substantiate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किसी भी अर्थव्यवस्था में औद्योगिक उत्पादन व सेवा क्षेत्र के साथ ही ग्रामीण व कृषि क्षेत्र भी एक महत्वपूर्ण, प्रभावी भूमिका निभाता रहा है।

भारत के विशेष संदर्भ में -

(i) जनसंख्या के 49% का रोजगार हेतु व 70% का आजीविका निर्वहन हेतु कृषि व संबद्ध क्षेत्रों पर निर्भर रहना।

(ii) मुद्रास्फीति नियंत्रण में खाद्यान्न की प्रभावी भूमिका।

(iii) खाद्य व पोषण सुरक्षा हेतु कृषि क्षेत्र पर संपूर्ण निर्भरता।

(iv) औद्योगिक उत्पादों का कृषि आगतों के रूप में प्रयोग। जैसे मशीनरी, खाद, बीज। वहीं उद्योगों को वृहद मात्रा में कच्चे माल की आपूर्ति। जैसे जूट, गन्ना, कपास आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(v) आय के साम्य वितरण का अन्य देशों की अपेक्षा कहीं अधिक बेहतर विकल्प।

(vi) ~~MSME~~ ग्रामीण MSME से न केवल परंपरागत कार्यों का संरक्षण, बल्कि पर्यटन व निर्यातों को भी बढ़ाता।

(vii) ग्राम्य-नगरीकरण ~~के कारण~~ की अवधारणा द्वारा। अति नगरीकरण का समाधान संभव।

(viii) खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में महत्त्वपूर्ण भूमिका।

इसी कारण सरकार द्वारा SPMRM, जैविक कृषि, मनरेगा, MSA, कृषि का उद्योग के रूप में रूपांतरण, कृषि प्रबंधन, जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट आदि योजनाओं व पहलों के माध्यम से इस प्राथमिक क्षेत्र के विकास हेतु कार्य किए जा रहे हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

11. बैंकों के विलय संबंधी सरकार की कार्यवाही से तात्कालिक लाभ प्राप्त हो सकता है, परंतु इससे प्रमुख प्रणालीगत चुनौतियाँ अनिर्णीत रह जाती हैं। हाल में हुए बैंकों के विलय के आलोक में चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

The government's move to amalgamate banks may have immediate gains but leaves key systemic challenges unresolved. Discuss in view of the recent bank mergers. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बैंकों का विलय - एकाधिक बैंकों का किसी एक बैंक में विलय अथवा विलय से किसी नई इकाई का निर्माण किया जाना।

हालिया संदर्भ : SBI में उसके सहयोगी बैंकों - SBBJ, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर आदि का विलय।
- देना बैंक, विजया बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा का विलय।

प्राप्त तात्कालिक लाभ -

(i) बैंकों की संचालन लागत में कमी
(ii) तकनीकी का एकीकरण।
(iii) अतिरिक्त मानवीय श्रम की बचत।
(iv) NPA जैसी समस्याओं से निपटने में मदद।
(v) बैंकों की ऋण देने की क्षमता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

का बढ़ना → वंचित वर्ग तक नहीं पहुंच से वित्तीय समावेशन बढ़ेगा।

(vi) Monetary transmission mechanism का बेहतर ढंग से कार्य कर पाना।

(vii) RBI द्वारा बैंकों के निरीक्षण, नियमन में वृद्धि → बैंक घोटालों में कमी आएगी।

अनिर्णीत प्रणालीगत चुनौतियाँ व सीमाएँ

(i) बैंकों के प्रबंधन, कार्यप्रणाली में विशेष परिवर्तन न होने से संरचनागत पहलू का जस का तस बने रहना।

(ii) भिन्न-2 बैंकों द्वारा अलग-2 तकनीकों के प्रयोग से एकीकरण में समस्या।

(iii) अल्पसंख्यक शेयरधारकों के हितों का प्रभावित होना।

(iv) बेरोजगार - बैंक कर्मचारियों की समस्या।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(v) Too Big to fail की समस्या उत्पन्न होना।

(vi) बैंकों में गुणवत्ता सुधार जैसे पहलू उपेक्षित हो रहना।

(vii) बैंकों में हित संघर्ष जैसे मामलों का न पकड़ पाना। जैसे वीडियोकॉन - ICICI बैंक मामला।

उपाय -

(i) समान आर्थिक स्थिति वाले बैंकों का ही विलय किया जाए।

(ii) विलय के पश्चात ग्रामीण बैंकों आदि को मजबूत बनाने पर बल।

(iii) अन्य कदम -

a. पब्लिक रेटिंग एजेंसी का निर्माण।

b. PCA फ्रेमवर्क को मजबूत करना।

c. EASE कार्यक्रम को मजबूत बनाना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

12. भारत की नागरिक एवं सैन्य अंतरिक्ष आवश्यकताओं के मध्य अंतर चयन की अपेक्षा अनिवार्यता की देन है। मिशन शक्ति के संदर्भ में स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 15

India's distinction between civilian and military space requirements are borne out of necessity rather than choice. Explain in context of Mission Shakti. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधुनिक काल की एक उभरती तकनीक है, जिसमें न केवल नागरिक उपयोग, बल्कि सैन्य दृष्टि से राष्ट्रीय हित पूर्ति की अपार संभावनाएँ निहित है।

भारत में नागरिक सैन्य आवश्यकता व प्रयास = परिवहन व संचार सुविधा को मजबूती देना।
- नियोजित नगरीकरण
- आपदा प्रबंधन व मौसम पूर्वानुमान आदि।

प्रयास = INSAT उपग्रह
GSAT उपग्रह
सुदूर संवेदी उपग्रह,
NAVIC प्रणाली

सैन्य अंतरिक्ष आवश्यकता व कदम =
सैन्य आधुनिकीकरण व राष्ट्रीय सुरक्षा हेतु।

कदम = GSAT-7, GSAT-7A उपग्रह

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

मिशन शक्ति = एक्सो एटमोस्फेरिक बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस प्रयोग

- इस प्रकार की क्षमता हासिल करने वाला भारत चौथा देश।
- उपग्रहों को कक्षा में नष्ट करने की क्षमता प्राप्त।

आवश्यकताओं
दोनों के बीच चयन की अपेक्षा

अनिवार्यता की महत्वपूर्ण भूमिका -

(i) चीन के पास इस प्रकार की शक्ति का होना भारत पर दबाव बढ़ा रहा था।

(ii) सैन्य अंतरिक्ष शक्ति द्वारा space assets को सुरक्षित रख पाने की क्षमता का प्रदर्शन।

(iii) भविष्य के space wars हेतु क्षमता हासिल करने की तरफ कदम।

(iv) भारत द्वारा 1970's में परमाणु परीक्षण करने से पहले ही NPT का अस्तित्व में आ जाना। इससे भारत को क्षति पहुंची। सैन्य अंतरिक्ष क्षेत्र में इस प्रकार की संधि में अब भारत की भी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

(v) तीनों सेनाओं - जल, थल, वायु को सहायता व अतिरिक्त शक्ति प्रदान करने में सहायक।

(vi) नागरिक क्षेत्र के साथ ही सैन्य क्षेत्र में भी ISRO द्वारा क्षमता प्रदर्शन। राष्ट्रीय हित के आयाम को और भी व्यापक स्वरूप प्रदान हुआ है।

यद्यपि नागरिक अंतरिक्ष आवश्यकता पूर्ति को प्राथमिक मानते हुए कई समूहों द्वारा ऐसे कदमों का विरोध किया जा रहा है; तथापि दोनों को पूरक मानने व नए क्षेत्र में प्रवेश व लाभ अर्जन के दृष्टिकोण से इस क्षेत्र की उपेक्षा भी नहीं की जा सकती है।

इसी संदर्भ में अनिवार्यता एक महत्वपूर्ण कारक उभर आती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

13. खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में भारत के ग्रामीण संकट को सुगमता प्रदान करने की क्षमता है। समालोचनात्मक टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

Food processing industry has the potential to ease rural distress in India. Critically comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खाद्य प्रसंस्करण = कृषि व खाद्य उत्पादों में इस प्रकार का परिवर्तन कि उनकी मूल्य वृद्धि हो सके अथवा shelf life में वृद्धि हो जाए।

वर्तमान में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग -

- GDP में लगभग 7% का योगदान।
- खाद्य पदार्थ निर्यात में 40% का योगदान

ग्रामीण संकट निवारण में सहायक कैसे -

(i) किसानों द्वारा मूल्य संवर्धन → अतिरिक्त आय की प्राप्ति। कम कीमत पर फसल बेचने हेतु बाध्य नहीं होना पड़ेगा।

(ii) इस क्षेत्र में स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिलेगा → युवाओं को रोजगार प्राप्ति, नवाचार में वृद्धि साथ ही शहरों की तरफ प्रवसन का भी समाधान।

(iii) कच्चे सामान की प्राप्ति हेतु पशुपालन व मत्स्यपालन को भी बढ़ावा → महिलाओं, वंचित वर्गों -

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

SC, ST आदि को रोजगार प्राप्ति उनकी सामाजिक परिस्थिति में भी सुधार होगा।

(iv) MBRT में 100% FDI (FPI क्षेत्र में) से निवेश वृद्धि → भंडारण व शीतगृहों का विकास होगा → किसानों की holding capacity व storage capacity में वृद्धि होगी।

(v) बागवानी फसलों को प्रोत्साहन → हरित क्रांति से उत्पन्न कुछ नकारात्मक प्रभावों को दूर करने में मदद। जैसे चावल व गेहूं के फसल में ह्रासिता, खाद का अत्यधिक प्रयोग।

(vi) इस उद्योग के विकास हेतु सड़क, परिवहन ऊर्जा क्षेत्रक को मजबूत बनाया जाएगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी आधारभूत संरचना का विकास होगा।

(vii) APMC Act में सुधार संभव।

(viii) स्थानीय संस्थाओं, रोजगार,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रक्रियाओं के पुनर्जीवित होने से
आर्थिक संकटों के से सुभेद्यता में
कमी।

(ix) मानसून के विफल रहने, आपदा आदि के समय आयात, आय स्रोत के रूप में कार्य।

सीमाएँ -

(i) ~~०~~ का जनसंख्या का अनुकूल न होना।
(ii) पिछड़ी हुई तकनीक।
(iii) अकुशल कार्यबल।
(iv) अपर्याप्त निवेश।
(v) निश्चित राष्ट्रीय नीति का अभाव।
(vi) डिजिटल साक्षरता का अभाव - उत्पाद पहुँच सीमित रह जाना।

प्रयास -

(i) FDI को PSL में शामिल किया जाना।
(ii) PM किसान संपदा योजना।
(iii) मेगा फूड पार्क योजना।
(iv) परीक्षण हेतु प्रयोगशालाओं के नेटवर्क की स्थापना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. भारत में विमानन क्षेत्र बड़ी मात्रा में अप्रयुक्त है, परंतु यह विभिन्न मोर्चों पर कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। भारत के विमानन क्षेत्र में उभरती चिंताओं के कारणों को अभिनिर्धारित/चिह्नित कीजिये और उनके निवारण हेतु कुछ उपाय सुझाइये।

(250 शब्द) 15

The aviation sector in India remains largely untapped but faces many challenges on different fronts. Identify the reasons behind the brewing trouble in India's aviation sector and suggest some measures to redress the same.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विमानन क्षेत्रक परिवहन का उभरता हुआ क्षेत्रक है। जो न केवल राष्ट्रीय, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय गतिशीलता को संभव बना रहा है।

भारत में वर्तमान स्थिति -

- 100 से अधिक ऑपरेशनल एयरपोर्ट
- 30 से अधिक इंटरनेशनल एयरपोर्ट
- लगभग 15 देशों/क्षेत्रों के साथ open sky facility.

भारत में अप्रयुक्त विमानन क्षेत्र -

i) कई शहरों का विमानन क्षेत्र से जुड़ाव न होना। जैसे वर्ष 2018 में पूर्वोत्तर क्षेत्र में अरुणाचल प्रदेश आदि का इस क्षेत्र से जुड़ना।

ii) बढ़ती जनसंख्या व शहरीकरण के अनुरूप इस क्षेत्रक का प्रसार न होने से कई वर्ग अभी भी वंचित है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

(iii) flights की संख्या आवश्यकतानुरूप नहीं है।

चुनौतियाँ -

(i) ऋण न चुका पाने के कारण NPA होने से बंद होती विमानन कंपनियाँ। जैसे कि किंगफिशर, जेट एयरवेज।

(ii) प्रशिक्षित पायलटों का अभाव, पायलटों द्वारा हड़ताल, उच्चदक्ष पायलटों द्वारा अत्यधिक वेतन की माँग।

(iii) Air Turbine fuel की कीमत अत्यधिक।

(iv) गलाकाट प्रतिस्पर्धा के कारण होते घाटे।

(v) अंतर्राष्ट्रीय विमानन कंपनियों से प्रतिस्पर्धा न कर पाने के कारण भी सीमित हो रहा यात्री आधार।

(vi) एयरपोर्ट शुल्क अधिक होने के कारण संचालन लागत का बढ़ना।

(vii) महंगी व अपर्याप्त तकनीकी

(viii) कार्गो क्षमता पर्याप्त न होना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

उपाय -

(i) राकेश मोहन समिति की सिफारिशों को क्रियान्वित करना। जैसे-
a. कार्गो हैंडलिंग क्षमता का विकास।
b. ट्रेनिंग सुविधा का विकास।

(ii) NAVIC, GAGAN द्वारा परिचालन में सहायता को और सुदृढ़ करना।

(iii) दीर्घकालिक रणनीति निर्माण द्वारा निवेश को प्रोत्साहन। एअर इंडिया के विनिवेश जैसे मामलों पर विवादों की बजाय एकीकृत दृष्टिकोण व रणनीति निर्माण।

(iv) छोटे शहरों को भी विमानन सेवाओं से जोड़ना।

(v) DGCA, AAI जैसे संस्थानों को मजबूत बनाना ताकि बाह्य हस्तक्षेप को कम से कम करके इस क्षेत्र के अनुकूल निर्णय लिए जा सकें।

किए गए प्रयास -

(i) राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति (2016)
(ii) NABH निर्माण पहल
(iii) उड़ान, उड़ान 2.0, उड़ान 3.0 आदि पहलें।
(iv) डिजीयात्रा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

15. स्वस्थ भारत की परिकल्पना जन-स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने तथा उपचारात्मक दृष्टिकोण से सुरक्षात्मक की ओर स्थानांतरित होने का आह्वान करती है। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

The vision for a healthy India calls for prioritizing public health and shifting the approach from being curative to preventive. Critically analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मानवीय संसाधनो के बेहतर उपयोग व क्षमता निर्माण हेतु विभिन्न कारको - शिक्षा, रोजगार आदि मे से एक है- स्वास्थ्य। इसी कारण वर्तमान मे स्वस्थ भारत पर बल दिया जा रहा है।

स्वस्थ भारत हेतु -

(1) जन स्वास्थ्य को प्राथमिकता -

a. सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानो को मजबूत करना। ताकि वंचित व कमजोर वर्ग भी स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सके।

b. जन स्वास्थ्य संस्थानो मे अपेक्षाकृत काफी सस्ती दरो पर इलाज → गरीबी रेखा से थोड़े ही ऊपर के लोग पुनः खर्च के चलते पुनः गरीबी रेखा के नीचे से आने से बच जाते है।

c. जन स्वास्थ्य को प्राथमिकता। →

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सभी भौगोलिक क्षेत्रों - ग्रामीण, मरुस्थली, पूर्वोत्तर तक स्वास्थ्य पहुँच संभव।

d. जन स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के क्रम में पारंपरिक व स्थानीय चिकित्सा प्रक्रियाओं का भी विकास संभव। जैसे आयुष पद्धति। इससे न केवल खर्चों में बचत, बल्कि पर्यटन आदि क्षेत्रों का भी विकास।

प्रयास = प्राथमिक स्वास्थ्य स्तर को मजबूत किया जाना। जैसे SC, PHC, CHC, ASHA worker आदि।

- बहुत कम कीमत पर दवाओं की उपलब्धता। जैनेरिक दवाओं को प्रोत्साहन।

(2) उपचारात्मक से सुरक्षात्मक दृष्टिकोण।

- ताकि रोग को होने से पूर्व ही रोका जा सके। इससे न केवल इलाज का खर्च बचेगा (निजी व सरकारी); बल्कि रोग के प्रसार को भी रोका जा सकेगा।

- गैर संक्रमक रोगों से बचाव में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

वृद्धि होगी। GBD रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य कारणों से होने वाली मृत्यु में 55% का कारण NCD है।

- सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से पोषण सुरक्षा आदि को गति मिलेगी। न केवल मानवीय क्षमता निर्माण होगा, बल्कि जीवन स्तर में भी सुधार होगा।
- अस्पतालों में भीड़ भाड़ में कमी। बेहतर इलाज संभव।

प्रयास = आयुष्मान भारत
- आयुष पद्धति
- FSSAI का ईट राइट इंडिया मूवमेंट।
- नियमित चेकअप। जैसे प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना।

वस्तुतः यद्यपि उपचारात्मक प्रयासों को भी मजबूत करने की आवश्यकता है, ताकि होने वाली मृत्युदर को कम किया जा सके, परंतु preventive कार्य भी उतने ही महत्त्वपूर्ण है। संपूर्ण प्रयास SDG 3 (स्वास्थ्य सुरक्षा) आदि की प्राप्ति में सहायता करेंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

16. भारत में श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी वैश्विक स्तर पर निम्नतर में से एक है। इसके पीछे विद्यमान सामाजिक व आर्थिक कारकों की पहचान कीजिये तथा उपचारात्मक उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 15

The participation of women in the labour force in India is one of the lowest globally. Identify the social and economic factors behind this and suggest remedial measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

श्रमबल = 15-59 वर्ष उम्र का समूह।
श्रमबल में महिला भागीदारी (NSSO-2017)
= ग्रामीण क्षेत्र = 26%
शहरी क्षेत्र = 17%
भारतीय स्तर = 23%

यह स्तर आसियान यूरोपीय राष्ट्रों की तुलना में काफी कम है।

इसका कारण -

(1) सामाजिक -

a. महिलाओं को अभी भी घरेलू कार्यों, बच्चों की देखभाल तक सीमित रखने की परंपरावादी सोच।

b. जातिगत रूढ़िवादिता → महिला गतिशीलता में कमी।

c. महिलाओं की उच्च शिक्षा दर में सीमित भागीदारी। उच्च प्रशिक्षित कौशल का अभाव।

d. पुरुष प्रवसन के कारण उत्पन्न समस्याएँ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(2) आर्थिक -

a. वेतन अंतराल के कारण हतोत्साहन भारत में वर्तमान अंतराल = 32%. (ILO, 2017)।

b. कार्यस्थल पर असुरक्षा।

c. कृषि कार्यों में असंलग्नता अधिक। किंतु कृषि क्षेत्र में संकट।

d. अवैतनिक कार्यों में संलग्नता अधिक। जैसे घरेलू कार्य। अतः GDP में इन कार्यों की गणना न हो पाना।

e. शिक्षा के प्रति बढ़ते रुझानों से आय अर्जक गतिविधियों में संलग्नता में देरी का बढ़ना।

f. income effect → आय बढ़ने के कारण भागीदारी में कमी [WB की रिपोर्ट]।

g. डिजीटल साक्षरता का अभाव। वित्तीय समावेशन की कमी।

उपाय -

1.) वित्त तक पहुँच सुनिश्चित करना। जैसे PM MUDRA योजना। SMILE योजना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

iii) SHW Act, 2013 का प्रभावी क्रियान्वन → औपचारिक क्षेत्रक में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी।

iiii) स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करना → विकेंद्रीकृत रूप से रोजगार अवसर सृजित होंगे। जैसे NRLM, प्रियदर्शिनी योजना।

iv) कौशल विकास कार्यों को गति देना। जैसे SANKALP, STRIVE।

v) स्वास्थ्य स्तर में सुधार करना। ताकि पूर्ण क्षमता का उपयोग हो सके।

vi) कृषि में महिलाओं के अनुकूल मशीनीकरण, ताकि उनकी सहभागिता भी बढ़े व आय भी।

vii) MSME को प्रोत्साहन। स्टार्टअप्स में निवेश बढ़ाना।

इसी संदर्भ में OECD की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के बराबर हो जाने पर विकास दर में 27% तक की वृद्धि हो सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. प्लास्टिक अपशिष्ट के उत्पादन से पर्यावरण व मानव स्वास्थ्य के लिये गंभीर खतरा उत्पन्न होता है। इस संबंध में सरकार द्वारा किये गए प्रयासों पर प्रकाश डालिये तथा कुछ अतिरिक्त उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

The generation of plastic waste poses a serious threat to the environment and human health. Highlight the initiatives taken by government in this regard and also suggest some additional measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्लास्टिक अपशिष्ट = प्लास्टिक वस्तुओं के उत्पादन, उपयोग, विनिर्माण के दौरान उत्पन्न अपशिष्ट।

उदा = भारत में प्रतिवर्ष लगभग 10 मिलियन टन प्लास्टिक कचरे का उत्पादन।

खतरे -

(1) पर्यावरण

a. हानिकारक रसायनों के कारण मृदा प्रदूषण।

b. जला देने पर वायु प्रदूषण में वृद्धि।

c. समुद्र में प्लास्टिक कचरे का बढ़ता संग्रहण। जैसे ग्रेट पेसिफिक गार्बेज पैच का निर्माण।

d. सुपोषण की समस्या के कारण 'हाइपॉक्सिया' का निर्माण। इससे जैव विविधता प्रभावित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

हो रही है।

e. जैव नियमन व जैव आवर्धन के कारण उच्चस्तर के जीवों में प्रदूषकों का बढ़ता स्तर (पोषण)

(2) मानव स्वास्थ्य

a. विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों - मृदा, जल में वृद्धि के कारण रोगों में वृद्धि जैसे- कैंसर आदि

b. जीवन स्तर में ह्रास।

c. आपदा प्रबंधन में समस्या के कारण महामारी आदि में इजाफा।

d. वायरस द्वारा AMR प्रतिरोध क्षमता को लेने के प्रक्रिया में वृद्धि

सरकार के प्रयास -

1) प्लास्टिक अपशिष्ट निवारण अधिनियम (2016)

a. प्लास्टिक उत्पादक, आयातक की जिम्मेदारी तय किया जाना।

b. 50mm से छोटे प्लास्टिक की बिक्री पर रोक।

(2) 2022 तक single use plastic पर पूर्ण प्रतिबंध।

लगभग 22 राज्यों में लागू।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(3) Extended Producers Responsibility ~~Producers~~ Pollutor's-Pay जैसी अवधारणाएँ।

(4) Bio Plastic को बढ़ावा देने के प्रयास।

(5) प्लास्टिक पार्क योजना द्वारा कम हानिकारक प्लास्टिक निर्माण को प्रोत्साहन।

अतिरिक्त उपाय -

(i) पॉलीडिकीटोनीमाइन (PDK) प्लास्टिक जैसे पुनः प्रयुक्त किए जा सकने वाले प्लास्टिक के क्षेत्र में शोध व प्रोत्साहन।

(ii) 3R- Reduce, Reuse, Recycle रणनीति को बढ़ावा।

(iii) कम से कम उपयोग हेतु जूट बैग, कागज बैग आदि को बढ़ावा जैसे सीतामढ़ी जिले (बिहार) में महिलाओं द्वारा SHG निर्माण द्वारा प्रयास।

(iv) अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के साथ एकीकरण। जैसे- Ocean clean up, clean sea campaign (UNEP) आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये
(Candidate must not write on this margin)

18. सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) में वृद्धि का प्रभाव पहुँच एवं बुनियादी सुविधाओं में आने वाली बाधाओं के परिणामस्वरूप सीमित रहता है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The impact of Minimum Support Price (MSP) hikes announced periodically by government remains limited due to constraints in reach and infrastructure facilities. Critically examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

MSP = कृषि फसलों की खरीद हेतु सरकार द्वारा घोषित एक न्यूनतम राशि। बाजार मूल्य के इस मूल्य से नीचे चले जाने पर सरकार MSP पर फसल खरीदती है।

वर्तमान में CACP की सलाह पर CCEA द्वारा 24 फसलों पर जारी की जाती है।

हाल ही में किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य के साथ MSP में बढ़ोतरी की गई।

MSP वृद्धि के लाभ के वितरण में सीमाएँ -

i) मात्र 40% किसानों को MSP की जानकारी व 16% किसानों द्वारा MSP पर फसल बेचा जाना (CUTS, 2017)।

ii) मात्र 2 या 3 फसलों की ही खरीद होने के कारण शेष

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

फसलों पर MSP में होने वाली वृद्धि का लाभ किसानों तक पहुँच नहीं पाता है।

(iii) MSP ~~प्रक्रिया~~ द्वारा खरीद प्रक्रिया में कागजी जटिलता → फलत: पहुँच सीमित हो जाना।

(iv) FCI भण्डारा के पास अपर्याप्त भण्डारण क्षमता।

(v) कई बार stock limit के कारण सभी किसानों से खरीद संभव नहीं हो पाती है।

(vi) मंडियों में grading facility अपर्याप्त होने के कारण गुणवत्ता ह्रास की समस्या।

(vii) कुछ राज्यों - पंजाब, हरियाणा, कुछ धनी किसानों द्वारा फायदा उठा लिया जाना → असंतुलन में वृद्धि।

अन्य कारण

(i) WTO में कृषि सब्सिडी के मुद्दे के कारण दबाव।

(ii) अपर्याप्त डिजिटलीकरण → प्रक्रिया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

में समय अधिक लग जाना।
(iii) पर्याप्त कार्यबल की कमी।
(iv) केन्द्र-राज्य समन्वय का अभाव।
(v) MSP के कारण मुक्त बाजार व्यवस्था प्रभावित होने के कारण इसका विरोध किया जाना।

सुधार

(i) MSP में
a. मिहिर चन्द्र समिति की सिफारिशें (2013)
• CACP नीति निर्धारण में भी भूमिका निभाए।
b. C2 formula के आधार पर निर्धारण।

(ii) PM ASHA योजना।

(iii) आवश्यक वस्तु अधिनियम (1955) में सुधार।

(iv) APMC Act में सुधार, ताकि कृषि बाजारों के खुलने से कीमत अस्थिरता व कमी को कम किया जा सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

19. केवल कृषि विपणन की पहेली का समाधान करके भारतीय किसानों के लिये हरित क्रांति को आय क्रांति में परिवर्तित किया जा सकता है। विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Only by solving the riddle of agriculture marketing can the transition from green revolution to income revolution happen for Indian farmers. Analyze. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कृषि राज्य सूची का विषय होने के कारण इसके उत्पादों की प्राथमिक बिक्री राज्य निर्धारित मंडियों में ही की जा सकती है।

इस हेतु 2003 में 'APMC model एक्ट बनाया गया था ताकि किसानों को अधिकतम लाभ सुनिश्चित हो सके। परंतु इसी कृषि विपणन प्रणाली ने कृषि को सर्वाधिक नुकसान पहुंचाया है।

कृषि विपणन की समस्याएँ :

(i) Notified Area के कारण उसी क्षेत्र में फसल बेचने हेतु बाध्य होना।

(ii) Multiple license system के कारण अनुपालन कठिन हो जाना।

(iii) प्रत्यक्ष विपणन पर रोक।

(iv) संविदा कृषि, लीजिंग पर रोक।

(v) कृषि उपज विपणन समितियों में नियमित चुनाव का अभाव।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(vi) मंडियों में बिचौलियों की बढ़ती भागीदारी, अत्यधिक मंडी शुल्क। इस कारण कृषि क्षेत्र को व्यापक क्षति पहुँची।

आवश्यक सुधार से संभावित लाभ -

(i) किसानों को फसल की अधिकतम कीमत प्राप्ति संभव।

(ii) विभिन्न राज्यों के बीच फसल कीमत अंतराल में कमी।

(iii) बिचौलियों का उन्मूलन संभव।

(iv) सरकार की MSP पर खरीद की बाध्यता में कमी आएगी → सरकार इस राशि का प्रयोग कृषि में निवेश हेतु कर सकेगी।

(v) नाबार्ड के 2017 के सर्वे के अनुसार कृषक परिवार की आय लगभग 7500 रु. प्रतिमाह थी। उचित कीमत इस आय में वृद्धि कर 2022 तक किसानों की आय को दुगुना करने के लक्ष्य में मदद कर सकती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किए गए प्रयास-

(i) Model APLM Act (2017)

(ii) E-NAM
ReLAM
GRaM

(iii) राष्ट्रीय मंडी अवसंरचना विकास कोष के प्रयोग द्वारा मंडी अवसंरचना में सुधार।

(iv) FPOs को प्रोत्साहन।

तथापि कृषि विपणन सुधार एकमात्र उपाय के रूप में कुछ सीमाएँ भी रखता है। अतः अन्य क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए जैसे-

(i) औपचारिक वित्त तक पहुँच।

(ii) सिंचाई सुविधाओं का विकास।

(iii) खाद, बीज, कीटनाशक की उपलब्धता।

(iv) बीमा सुविधा का विस्तार।

(v) सब्सिडी की बजाय निवेश पर बल।

(vi) आधुनिकी प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन, मशीनीकरण पर बल।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

20. विद्युत वाहन (ई.वी.) भारत के लिये एक बहुत हितकारी क्षेत्र है क्योंकि इसमें तरल ईंधन की मांग को कम करने की क्षमता है। भारत में ई.वी. को अपनाए जाने में उत्पन्न अवसरों तथा चुनौतियों पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

Electric Vehicles (EV) are an area of huge interest to India as it holds the potential of reducing the demand for liquid fuel. Highlight the opportunities and challenges posed in the adoption of EVs in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विद्युत वाहन परिवहन क्षेत्रक में उभरता एक नया आयाम है, जो न केवल पूरे क्षेत्रक को संवर्धित, परिवर्तित करने की क्षमता रखता है, बल्कि पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान को भी संभव बनाता है।

इस संबंध में लक्ष्य -

a. 2030 तक विद्युत वाहनों की संख्या बढ़ाकर 20% करना।

b. चार्जिंग अवसंरचना को मजबूत बनाना।

भारत में विद्युत वाहनों को अपनाए जाने में उत्पन्न अवसर -

(i) तरल ईंधन की माँग में कमी → CAD में कमी

(ii) जीवाश्म ईंधन हेतु अंतर्राष्ट्रीय निर्भरता में कमी।

(iii) प्रदूषकों के शून्य उत्सर्जन से

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

प्रदूषण समस्या में कमी।

(iv) 2030 तक प्राप्त किए जाने योग्य SDG लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायता।

(v) नए स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन, रोजगार सृजन।

(vi) नवाचार को बढ़ावा।

(vii) बैटरी अवसंरचना क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। इस कार्य हेतु आवश्यक सूक्ष्म व दुर्लभ खनिज - Co, Ni आदि की खोज को बढ़ावा मिलेगा।

(viii) उभरता हुआ क्षेत्र → भारत बढ़त हासिल कर निर्यात बास्केट को विविधीकृत कर सकता है।

चुनौतियाँ -

(i) चार्जिंग स्टेशन का अभाव।

(ii) इस कार्य हेतु प्रयुक्त लघु व उच्च क्षमता युक्त बैटरियों का अभाव।

(iii) भार वहन करने की क्षमता का अपेक्षाकृत कम होना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iv) अत्यधिक ऊर्जा की आवश्यकता होगी। जबकि अभी भी हम अपनी ऊर्जा का लगभग 70% जीवाश्म ईंधनों से प्राप्त करते हैं।

(v) लोगों में विद्युत वाहन अपनाने के प्रति अपर्याप्त जागरूकता।

(vi) अपर्याप्त पूँजी निवेश।

किए जा रहे प्रयास -

(i) FAME योजना।

(ii) नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन प्लान की शुरुआत।

(iii) बैटरी क्षेत्र में नए प्रयोग। जैसे ग्रेफीन बैटरी, लिथियम बैटरी, सोडियम बैटरी।

इस हेतु लिथियम प्राप्ति के लिए लैटिन अमेरिकी देशों से संपर्क में वृद्धि।

(iv) चार्जिंग क्षेत्र को सेवा क्षेत्र का दर्जा दिए जाने के कारण प्रक्रियागत जटिलता का कम होना (बजट, 2019)।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation